DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

21 September, 2023

उच्च रक्तचाप पर WHO की रिपोर्ट

सन्दर्भ: WHO ने हाल ही में उच्च रक्तचाप और विश्व पर पड़ने वाले इसके प्रभाव से संदर्भित अपनी पहली रिपोर्ट जारी की है।

मुख्य बिंदु:

- डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि भारत में, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त 50% व्यक्तियों द्वारा प्रभावी रक्तचाप प्रबंधन से 2040 तक लगभग 4.6 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है।
- भारत में 188.3 मिलियन लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, लेकिन केवल 37% लोग ही अपनी स्थिति के बारे में जानते हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्तर पर, लगभग 33% आबादी को उच्च रक्तचाप है, और आधे से थोड़ा अधिक का निदान किया गया है।
- दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से पीड़ित प्रत्येक 5 में से लगभग 4 लोगों का पर्याप्त इलाज नहीं हो पाता है।
- कवरेज बढ़ाने से 2023 और 2050 के बीच 76 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है।
- उच्च रक्तचाप दुनिया भर में 3 में से 1 वयस्क को प्रभावित करता है और इससे स्ट्रोक, दिल का दौरा और गुर्दे की क्षति जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।
- 1990 से 2019 के बीच उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों की संख्या 650 मिलियन से दोगुनी होकर 1.3 बिलियन हो गई।
- विश्व स्तर पर उच्च रक्तचाप से पीड़ित लगभग आधे से अधिक लोग अपनी स्थिति से अनजान हैं।

जोखिम कारक और जीवनशैली:

- उच्च रक्तचाप के जोखिम कारकों में अधिक उम्र, आनुवंशिकी, उच्च नमक वाला आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी और अत्यधिक शराब का सेवन शामिल हैं।
- जीवनशैली में बदलाव जैसे स्वस्थ आहार अपनाना, तंबाकू छोड़ना और शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होना रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है।
- उच्च रक्तचाप की शीघ्र पहचान और प्रभावी प्रबंधन स्वास्थ्य देखभाल में अत्यधिक लागत प्रभावी हस्तक्षेप हैं।
- बेहतर उच्च रक्तचाप उपचार कार्यक्रमों के आर्थिक लाभ हैं जो लागत से लगभग 1 से 18 गुना अधिक हैं।

सफल मॉडल

- बांग्लादेश, क्यूबा, भारत और श्रीलंका सहित 40 से अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों ने HEARTS पैकेज के साथ उच्च रक्तचाप देखभाल में सुधार किया है और उपचार कार्यक्रमों में 17 मिलियन से अधिक लोगों को नामांकित किया है।
- कनाडा और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने व्यापक राष्ट्रीय उच्च रक्तचाप उपचार कार्यक्रम लागू किए हैं, जिससे उच्च रक्तचाप वाले वयस्कों में 50% से अधिक रक्तचाप नियंत्रण प्राप्त हुआ है।
- प्रभावी, निरंतर राष्ट्रीय उच्च रक्तचाप नियंत्रण कार्यक्रमों से हृदय से सम्बंधित समस्याएँ कम होती हैं और लंबा, स्वस्थ जीवन मिलता है।

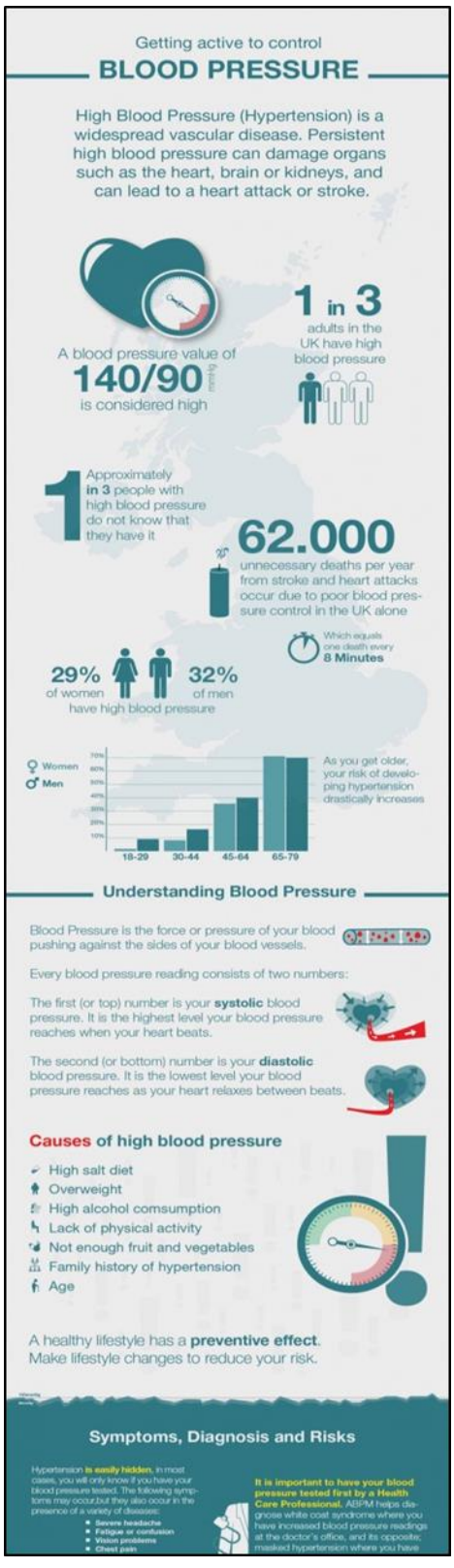

उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देना' (PTP-NER 2.0)

सन्दर्भ: ट्राइफेड 21 सितंबर, 2023 को 'उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा' योजना का दूसरा चरण (PTP-NER 2.0) शुरू करने जा रहा है।

- ट्राइफेड ने दो चरणों में 'उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा' (पीटीपी-एनईआर) योजना शुरू की है।
- चरण 1 (पीटीपी-एनईआर 1.0) में 44 जनजातियों के 2500 से अधिक कारीगरों तक पहुंच बनाना शामिल था। इनमें से 1056 कारीगरों को सूचीबद्ध किया गया और 1465 को प्रशिक्षण के लिए चिन्हित किया गया।
- चरण 1 के दौरान, ट्राइफेड द्वारा 3100 से अधिक आदिवासी उत्पाद खरीदे गए थे। इन उत्पादों में कपड़ा, वन उपज, बांस की वस्तुएं, आभूषण, मिट्टी के बर्तन, पेंटिंग और बहुत कुछ शामिल थे।
- चरण 2 (पीटीपी-एनईआर 2.0) 21 सितंबर से 10 नवंबर, 2023 तक की समय सीमा के लिए है, जिसमें ट्राइफेड, उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी) और राज्य प्रशासन की टीमें आदिवासी कारीगरों की सांस्कृतिक समृद्धि और विरासत प्रदर्शन के लिए उत्तर पूर्व क्षेत्र के 29 जिलों का दौरा करेंगी।।
- इस योजना का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से आदिवासी कारीगरों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर और प्रभावी विपणन और आकर्षक पैकेजिंग के माध्यम से बाजारों तक उनकी पहुंच में सुधार करके आजीविका के अवसरों को मजबूत और बढ़ावा देना है।
- योजना के पहले चरण में आठ राज्यों और 38 जिलों को शामिल किया गया, अप्रैल-मई, 2023 में 64 जनजातीय कारीगर पैनल मेलों (टीएईएम) का आयोजन किया गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

PTP-NER 1.0 के बारे में	विवरण
नोडल मंत्रालय	जनजातीय कार्य मंत्रालय
प्रकार	केंद्रीय क्षेत्र योजना
उद्देश्य	उत्तर पूर्वी राज्यों से जनजातीय उत्पादों की बेहतर खरीद, रसद और विपणन के माध्यम से जनजातीय कारीगरों के लिए आजीविका के अवसरों को मजबूत करना
राज्यों को कवर किया गया	अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम
नोडल एजेंसी	जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड)
प्रमुख विशेषताएँ	समर्थन, एकीकरण, कौशल और उद्यमिता विकास, सोर्सिंग और खरीद, विपणन, परिवहन और प्रचार के माध्यम से बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज और आगे के संबंधों की सुविधा प्रदान करता है।
जनजातीय कारीगर मेले	केंद्र सरकार जनजातीय उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए अप्रैल और मई में टीएएम का आयोजन करती है। जनजातीय कारीगरों का पैनलीकरण सीधे या जनजातीय कारीगर मेलों (टीएएम) के माध्यम से किया जाता है।
भागीदार	उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम (एनईएचएचडीसी), इंडिया पोस्ट, और उत्तर पूर्वी राज्य सरकार के विभाग/एजेंसियां।

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड)

- ट्राइफेड अगस्त 1987 में स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- इसे भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर की सहकारी स्थिति प्राप्त है।
- ट्राइफेड का ध्यान आदिवासी समुदायों द्वारा एकत्रित या खेती की जाने वाली लघु वनोपज (एमएफपी) और अधिशेष कृषि उपज (एसएपी) के व्यापार को संस्थागत बनाने पर है।
- यह संगठन आदिवासी लोगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए दीर्घकालिक उत्पाद बनाने में मदद करता है।
- ट्राइफेड आदिवासी समुदायों के बीच स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के गठन का समर्थन करता है और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करता है।

ट्राइफेड के उद्देश्य:

- ट्राइफेड का प्राथमिक उद्देश्य जनजातीय लोगों के लिए विपणन विकास को बढ़ावा देना है, क्योंकि उनकी आय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जनजातीय उत्पादों के निर्माण और उत्पादन से आता है।
- यह जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए बाजार विकासकर्ता और सेवा प्रदाता दोनों के रूप में कार्य करता है।
- ट्राइफेड जनजातीय समुदायों को उनकी बाजार उपस्थिति और उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उपकरणों और प्रशिक्षण के साथ सहायता करता है।
- संगठन जनजातीय विकास के लिए एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण स्थापित करने का प्रयास करता है।
- ट्राइफेड का अंतिम लक्ष्य देश में विभिन्न जनजातियों के सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है, जो स्थायी आजीविका के लिए अपने हस्तशिल्प पर निर्भर हैं।

डाकघर विधेयक

सन्दर्भ: डाकघर विधेयक, 2023 भारतीय संसद के चल रहे विशेष सत्र के दौरान चर्चा किए जाने वाले विधेयकों में से एक है।

- 1898 के भारतीय डाकघर अधिनियम को एक नए विधेयक द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है।
- यह नया कानून इंडिया पोस्ट के नियमन से संबंधित है, जो एक सरकारी विभाग के रूप में कार्य करता है।
- यह विधेयक पत्र वितरण सेवाएं प्रदान करने के सरकार के विशेष विशेषाधिकार को समाप्त कर देता है।
- इंडिया पोस्ट द्वारा दी जाने वाली विशिष्ट सेवाएँ स्थापित नियमों और विनियमों द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
- डाक सेवाओं के महानिदेशक को भारतीय डाक का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया जाएगा और उनके पास सेवा शुल्क और डाक टिकटों के वितरण सहित विभिन्न मामलों पर नियम बनाने का अधिकार होगा।
- सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित वस्तुओं सहित विशिष्ट परिस्थितियों में इंडिया पोस्ट के माध्यम से भेजी गई वस्तुओं को रोकने में सक्षम होगी।
- भारतीय डाक को आम तौर पर अपनी सेवाओं के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा, सिवाय उन मामलों के जहां दायित्व को शासकीय नियमों और विनियमों में उल्लिखित किया गया है।

विधेयक की विशेषताएं

- **केंद्र सरकार के विशेष विशेषाधिकार**: यह विधेयक डाक सेवाओं के लिए केंद्र सरकार के विशेष विशेषाधिकार को समाप्त कर देता है, जिससे भारतीय डाक को विशेष रूप से डाक टिकट जारी करने की अनुमति मिलती है।
- **निर्धारित सेवाएँ**: यह विधेयक इंडिया पोस्ट को केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित सेवाएं प्रदान करने की छूट देता है, जिससे कानून में विशिष्ट सेवा परिभाषाओं की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **महानिदेशक की विनियामक शक्तियाँ**: यह विधेयक डाक सेवाओं के महानिदेशक को सेवा शुल्क और डाक टिकट वितरण सहित विभिन्न पहलुओं पर नियम बनाने का अधिकार देता है।
- **डाक लेखों का अवरोधन**: यह विधेयक राज्य सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और कानून के उल्लंघन सहित डाक लेखों को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त अधिकृत अधिकारियों के आधार को विस्तृत करता है।
- **निषिद्ध वस्तुओं या शुल्क के लिए डाक लेखों की जांच**: यह विधेयक प्रतिबंधित वस्तुओं या शुल्क के लिए डाक लेखों की जांच करने की भारतीय डाक अधिकारियों की शक्ति को हटा देता है, जिससे उन्हें ऐसी वस्तुओं को सीमा शुल्क या निर्दिष्ट अधिकारियों को स्थानांतरित करने की अनुमति मिलती है।
- **दायित्व से छूट**: विधेयक में सरकार और अधिकारियों के लिए दायित्व से छूट बरकरार रखी गई है, केंद्र सरकार के पास नियमों के माध्यम से दायित्व निर्धारित करने का अधिकार है।
- **अपराधों और दंडों को हटाना**: यह बिल भू-राजस्व के बकाया के रूप में अवैतनिक राशि की वसूली को छोड़कर, विशिष्ट अपराधों और दंडों को समाप्त करता है।

इंडिया पोस्ट के बारे में कुछ अन्य तथ्य:

- सरकारी बचत बैंक अधिनियम 1873 (1873 का 5) 1881 में अधिनियमित किया गया और 1 अप्रैल 1882 को बॉम्बे प्रेसीडेंसी को छोड़कर भारत में डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) की स्थापना हुई।

- 1882 में एक सरकारी आदेश के बाद, डाक और तार विभाग के कर्मचारियों के लिए एक कल्याणकारी उपाय के रूप में, 1 फरवरी 1884 को डाक जीवन बीमा शुरू किया गया था।
- भारत में टेलीग्राफ सेवाओं को विनियमित करने के लिए 1885 का भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम बनाया गया था।
- भारतीय डाकघर अधिनियम 1898, 22 मार्च 1898 को पारित हुआ और 1 जुलाई 1898 से प्रभावी होकर डाक सेवाओं को विनियमित किया गया। यह 1882 के अधिनियम III और 1896 के अधिनियम XVI के बाद सफल हुआ।
- 1933 का भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम भारत में वायरलेस टेलीग्राफी को नियंत्रित करता था।
- भारत ने 18 फरवरी, 1911 को दुनिया की पहली आधिकारिक एयरमेल उड़ान देखी, जिसने 27 मिनट में 18 किलोमीटर की दूरी तय की।
- हेनरी पेक्वेट, एक फ्रांसीसी पायलट, ने लगभग 6,000 पत्रों और कार्डों को गंगा पार करके इलाहाबाद से नैनी तक पहुँचाया। इस ऐतिहासिक उड़ान में यूनाइटेड किंगडम के किंग जॉर्ज पंचम को लिखा एक पत्र भी शामिल था।
- अगस्त 2011 में, इंडिया पोस्ट ने श्रीनगर, कश्मीर में डल झील पर एक तैरता हुआ डाकघर स्थापित किया।
- अलग-अलग विभाग बनने से पहले टेलीग्राफी और टेलीफोनी शुरू में डाक सेवा के हिस्से के रूप में संचालित होते थे।
- पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा तिब्बत पर कब्जा करने तक तिब्बत की राजधानी ल्हासा में एक अनोखा टेलीग्राफ कार्यालय संचालित होता था।
- 1914 में डाक और तार विभाग का विलय हो गया लेकिन बाद में 1 जनवरी 1985 को फिर से अलग हो गए।

प्राथमिक संदर्भ समय घड़ी (पीआरटीसी)

सन्दर्भ: सी-डॉट और सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला ने दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक NavIC-आधारित प्राथमिक संदर्भ समय घड़ी बनाने के लिए मिलकर काम किया है, जो सटीक पता लगाने योग्य भारतीय मानक समय (IST) की गारंटी देता है।

- यह समझौता दूरसंचार विभाग की टीटीडीएफ योजना का हिस्सा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए घरेलू दूरसंचार उत्पाद विकास का समर्थन करता है।
- परियोजना का लक्ष्य TSP और ISP को ± 20 NS के भीतर सटीक भारतीय मानक समय (IST) ट्रेसेब्लिटी प्रदान करने वाला एक उपकरण बनाना है।
- **लाभ:** इसके लाभों में कम जीपीएस निर्भरता, बढ़ी हुई साइबर सुरक्षा, कम कॉल ड्रॉप और सीएसआईआर-एनपीएल के आईएसटी के साथ सिंक्रनाइज़ दूरसंचार सेवाएं शामिल हैं।
- टीएसपी और आईएसपी के माध्यम से महत्वपूर्ण लेनदेन में साइबर सुरक्षा के लिए सटीक समय सिंक्रनाइज़ेशन महत्वपूर्ण है।
- यह पहल "**एक राष्ट्र, एक समय**" का लक्ष्य रखती है, जो भारतीय अनुसंधान एवं विकास क्षमता को उजागर करती है और "**आत्मनिर्भर भारत**" के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करती है।

दूरसंचार में सिंक्रोनाइज़ेशन का महत्व:

- डिजिटल दूरसंचार नेटवर्क पर सेवाओं के उचित कामकाज के लिए सटीक सिंक्रनाइज़ेशन महत्वपूर्ण है।
- सिंक्रनाइज़ेशन के बिना, बिट स्लिप जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे संचार प्रदर्शन में गिरावट आ सकती है।
- दूरसंचार नेटवर्क सटीक टाइमकीपिंग के लिए प्राथमिक संदर्भ घड़ियों और सिंक्रनाइज़ेशन इकाइयों पर भरोसा करते हैं।

दूरसंचार में घड़ी सिंक्रनाइज़ेशन:

- आदर्श रूप से, दूरसंचार नेटवर्क घड़ियाँ समकालिक होनी चाहिए, इसे एक निर्दिष्ट सीमा के भीतर एक निश्चित सापेक्ष चरण विस्थापन के साथ समान दरों या समान औसत दर पर चलनी चाहिए।
- व्यवहार में, वे मेसोक्रोनस हो सकते हैं लेकिन आम उपयोग में उन्हें अक्सर सिंक्रोनस कहा जाता है।

दूरसंचार में सिंक्रोनाइज़ेशन के घटक:

प्राथमिक संदर्भ घड़ी (पीआरसी):

- आधुनिक दूरसंचार नेटवर्क दीर्घकालिक आवृत्ति सटीकता (10^11 में 1 भाग से बेहतर) के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले अत्यधिक सटीक प्राथमिक मास्टर घड़ियों का उपयोग करते हैं।
- सटीकता के इस स्तर को प्राप्त करने के लिए आमतौर पर परमाणु घड़ियों या जीपीएस अनुशासित ऑसिलेटर का उपयोग किया जाता है।

सिंक्रोनाइज़ेशन सप्लाई यूनिट (SSU):

- एसएसयू नेटवर्क के भीतर विश्वसनीय सिंक्रनाइज़ेशन वितरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- मुख्य कार्यों में उच्च आवृत्ति चरण के शोर को दूर करने के लिए सिंक्रोनाइज़ेशन संकेतों को फ़िल्टर करना, स्थानीय उपकरण सिंक्रोनाइज़ेशन के लिए कई आउटपुट प्रदान करना और इनपुट संदर्भ खो जाने (होल्डओवर मोड) पर भी उच्च-गुणवत्ता वाले आउटपुट को बनाए रखना शामिल है।

सिंक्रनाइज़ेशन के लिए गुणवत्ता मेट्रिक्स:

- **दूरसंचार नेटवर्क में, सिंक्रनाइज़ेशन प्रदर्शन को मापने के लिए दो आवश्यक मापदंडों का उपयोग किया जाता है:**
  - **अधिकतम समय अंतराल त्रुटि (MTIE):** एक विशिष्ट समय अवधि में सही सिग्नल से संबंधित सिग्नल की सबसे खराब स्थिति वाले चरण भिन्नता को मापता है।
  - **समय विचलन (TDEV):** इसमें एक निश्चित समय अवधि में सिग्नल की चरण स्थिरता का सांख्यिकीय विश्लेषण शामिल होता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व अल्जाइमर दिवस

दिनांक: विश्व अल्जाइमर दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है।
उद्देश्य: यह दिन अल्जाइमर रोग और संबंधित मनोभ्रंश स्थितियों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।
थीम: 'कभी बहुत जल्दी नहीं, कभी बहुत देर नहीं' ('Never Too Early, Never Too Late.')।
अल्ज़ाइमर रोग: यह एक गंभीर मस्तिष्क रोग है, जिसमें स्मृति, संज्ञानात्मक हानि और व्यवहार परिवर्तन शामिल हैं। यह वृद्ध व्यक्तियों में डिमेंशिया का सबसे सामन्य कारण है।
वैश्विक प्रभाव: अल्जाइमर दुनिया भर में स्वास्थ्य चिंता का कारण है, जो लाखों व्यक्तियों और उनके परिवारों को प्रभावित करता है। यह बीमारी महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां पेश करती है।

एकात्मता की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ वननेस)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' का अनावरण कर रहे हैं हैं।

स्थान: यह मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में, इंदौर से लगभग 80 किमी दूर, नर्मदा नदी के तट पर स्थित है।

स्मारक विवरण: 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' 54 फुट ऊंचे आधार पर खड़ी प्रतिमा है और इसकी कुल ऊंचाई 108 फुट है। यह एक बहु-धातु मूर्ति है।

आदि शंकराचार्य का महत्व: केरल में जन्मे आदि शंकराचार्य ने सांस्कृतिक विघटन के समय भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ओंकारेश्वर में ज्ञान प्राप्त करने के लिए जंगलों में 1,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की थी।

एकात्मधाम परियोजना: मूर्ति के अतिरिक्त, भविष्य की पीढ़ियों के लिए ज्ञान की परंपरा को जारी रखने के लिए ओंकारेश्वर में एकात्मधाम परियोजना शुरू की जाएगी।

कला और सांस्कृतिक विरासत के लिए भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट

के बारे में:

- कला और सांस्कृतिक विरासत के लिए भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट/इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1984 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- INTACH का प्राथमिक उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- INTACH स्थापत्य, प्राकृतिक, भौतिक और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सहित विरासत के विभिन्न रूपों के संरक्षण और प्रचार में शामिल है।
- INTACH पेशेवरों, शिल्पकारों और विरासत संरक्षण समुदायों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करता है।
- संगठन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा कवर नहीं किए गए स्मारकों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग करता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

के बारे में:

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम (पीएचआरए), 1993 के तहत स्थापित एक स्वतंत्र वैधानिक निकाय है।
- यह मानवाधिकार उल्लंघनों की समीक्षा और समाधान करके और उनकी सुरक्षा तथा संवर्धन के लिए सिफारिशें करता है।
- यह भारत में मानवाधिकारों की रक्षा और प्रचार के लिए जिम्मेदार है।
- NHRC की स्थापना पेरिस सिद्धांतों (1991) के अनुरूप की गई थी, जिसे मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय संस्थानों पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में अपनाया गया था।
- एनएचआरसी में एक अध्यक्ष, पांच पूर्णकालिक सदस्य और सात मानद सदस्य शामिल हैं।
- भारत के राष्ट्रपति कई प्रमुख अधिकारियों वाली एक समिति की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति करते हैं।

तस्मानियाई बाघ से आरएनए की पुनर्प्राप्ति

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने विलुप्त तस्मानियाई बाघ (थायलासीन/Thylacine) के अवशेषों से आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) पुनर्प्राप्त की है।

आरएनए रिकवरी का महत्व:

- आरएनए, डीएनए के समान एक आनुवंशिक सामग्री है हाल ही में इसे 1891 से संग्रहित तस्मानियाई बाघ के नमूने की सूखी त्वचा और मांसपेशियों से निकला गया है।
- यह किसी विलुप्त प्रजाति से आरएनए पुनर्प्राप्ति का पहला उदाहरण है, जो इसके जीव विज्ञान में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

आरएनए बनाम डीएनए:

- आरएनए और डीएनए कोशिका जीव विज्ञान में मौलिक अणु हैं।
- डीएनए आनुवंशिक कोड रखता है, जबकि आरएनए डीएनए से आनुवंशिक सूचना प्राप्त करता है और प्रोटीन संश्लेषण और कोशिका चयापचय को नियंत्रित करता है।

तस्मानियाई बाघ पृष्ठभूमि:

- तस्मानियाई बाघ विशिष्ट धारियों वाला भेड़िया जैसा दिखने वाला एक मांसाहारी पशु था।
- ऑस्ट्रेलिया में मानव आगमन और यूरोपीय उपनिवेशीकरण के वे विलुप्त हो गये।
- अंतिम ज्ञात तस्मानियाई बाघ की मृत्यु 1936 में हुई थी।

मिथुन

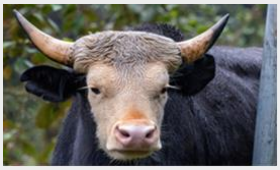

मिथुन क्या है?

- मिथुन पूर्वोत्तर भारत की एक मूल गौ-जातीय प्रजाति है।
- यह पूर्वोत्तर भारत का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व वाला एक अर्ध-पालतू पशु है।

आर्थिक महत्व:

- वयस्क मिथुन की वजन सीमा: 400-650 किलोग्राम होती हैं।
- मिथुन 2 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य के होते हैं।
- वर्तमान में इसके मांस का मूल्य 300 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गया है।

संरक्षण की जटिलता:

- इसे भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा "**खाद्य पशु**" के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।
- अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में इसे "प्रीमियम मीट" के रूप में स्थापित करने का विज़न है।

थारोसॉरस इंडिकस (Tharosaurus Indicus)

हाल ही में आईआईटी रूड़की के वैज्ञानिकों ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा थार रेगिस्तान (जैसलमेर बेसिन) में मध्य जुरासिक युग के डायनासोर के जीवाश्मों का अध्ययन किया।

थारोसॉरस इंडिकस के बारे में:

- थारोसॉरस इंडिकस डिक्रियोसॉरिडे परिवार और सुपरफैमिली डिप्लोडोकोइडिया (Dicraeosauridae and the superfamily Diplodocoidea.) से संबंधित है।
- ये जीवाश्म दुनिया में सबसे पुराने ज्ञात डिप्लोडोकॉइड सॉरोपॉड जीवाश्म हैं।
- डायनासोर का नाम, "थारोसॉरस इंडिकस", इसके भारतीय मूल को दर्शाता है, "थारो" थार रेगिस्तान से लिया गया है।
- सोरोपोड्स, सामान्य तौर पर, अपने विशाल आकार के लिए जाने जाते हैं, जिनमें से कुछ 100 फीट से भी अधिक लंबे होते हैं, लेकिन थारोसॉरस जैसे डाइक्रायोसॉरिड सॉरोपोड्स छोटे थे।
- ये डायनासोर के जीवाश्म मध्य जुरासिक काल के हैं, जिससे ये लगभग 167 मिलियन वर्ष पुराने हैं।
- सॉरोपॉड पहली बार लगभग 200 मिलियन वर्ष पहले जुरासिक काल के दौरान दिखाई दिए, और क्रेटेशियस काल के अंत तक अस्तित्व में रहे, जब डायनासोर विलुप्त हो गए।

समाचारों में स्थान

कनाडा

राजधानी: ओटावा

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने चल रही जांच में भारत का सहयोग मांगने के कनाडा के आह्वान के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है।

स्थान: कनाडा उत्तरी अमेरिका में स्थित है और कुल क्षेत्रफल के अनुसार दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

सीमावर्ती देश: कनाडा अपनी सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझा करता है।

भौगोलिक विशेषताएँ:

तटरेखा: कनाडा दुनिया की सबसे लंबी तटरेखा धारण करता है, जो अटलांटिक महासागर, प्रशांत महासागर और आर्कटिक महासागर तक फैली हुई है।

झीलें: कनाडा कई झीलों का घर है, जिनमें ग्रेट झीलें भी शामिल हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की सीमा पर स्थित हैं।

पर्वत श्रृंखलाएँ: कैनेडियन रॉकीज़, कोस्ट पर्वत और एपलाचियन पर्वत कनाडा में महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखलाएँ हैं।

नदियाँ: कनाडा में कई प्रमुख नदियाँ हैं, जिनमें सेंट लॉरेंस नदी, मैकेंज़ी नदी और फ्रेज़र नदी शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- **अल्जाइमर रोग की खोज करने वाले दो वैज्ञानिक कौन हैं?** - एलोइस अल्जाइमर और एमिल क्रेपेलिन
- **द हिंदू का स्वामित्व किस वर्ष कस्तूरी रंगा अयंगर को को प्राप्त हुआ?** - अप्रैल 1905
- **वह ग्राफ जहां किसी तारे की चमक बनाम उसके रंग को प्लॉट किया जाता है, और मुख्य अनुक्रम तारे एक प्रमुख विकर्ण बैंड (diagonal band) के साथ दिखाई देते हैं, उसे क्या कहा जाता है?** - हर्ट्ज़स्प्रंग-रसेल (एच-आर) आरेख (Hertzsprung-Russell (H.R) Diagram)
- **बिजली से चलने वाली पहली ट्रेन का निर्माण किस जर्मन इंजीनियर ने किया था?** - वर्नर वॉन सीमेंस
- **पर्युषण का अंतिम दिन संवत्सरी किस विशिष्ट दिन पड़ता है, और जैन धर्म में इसके साथ कौन सी महत्वपूर्ण घटना जुड़ी हुई है?** - अनंत चतुर्दशी, निर्वाण